दैनिक समसामयिकी विश्लेषण

समय: 45 मिनट

दिनाँक: 1-03-2025

विषय सूची

जहान-ए-ख़ुसरो सूफ़ी संगीत महोत्सव की 25वीं वर्षगांठ

संशोधित वक्फ विधेयक (2024) को कैबिनेट की मंजूरी

भारत को निवेश बढ़ाने के लिए टैरिफ कटौती और सुधारों की आवश्यकता: विश्व बैंक

सरकार की प्रमुख योजना के अंतर्गत 10,000 FPOs स्थापित किए गए

आदित्य-L1 ने अभूतपूर्व सौर ज्वाला का विवरण कैद किया

संक्षिप्त समाचार

करनाल का युद्ध

हिमस्खलन

गिलोय

गोल्ड कार्ड अमेरिकी वीज़ा

तियांगोंग अंतरिक्ष स्टेशन

अमेज़न ने 'ओसेलॉट' क्वांटम कंप्यूटिंग प्रोटोटाइप चिप का अनावरण किया

घड़ियाल (गेवियलिस गैंगेटिकस)

'दियासलाई

जहान-ए-ख़ुसरो सूफ़ी संगीत महोत्सव की 25वीं वर्षगांठ

संदर्भ

- प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सूफी संगीत महोत्सव जहान-ए-खुसरो 2025 में शामिल हुए।

परिचय

- **जहान-ए-खुसरो महोत्सव:**
  - सूफी संगीत, कविता और नृत्य को समर्पित अंतर्राष्ट्रीय महोत्सव।
  - अमीर खुसरो की विरासत का जश्न मनाता है।
  - संपूर्ण विश्व के कलाकारों को एक साथ लाता है।
  - रूमी फाउंडेशन द्वारा आयोजित।
  - फिल्म निर्माता और कलाकार मुजफ्फर अली द्वारा 2001 में स्थापित।
- महोत्सव के दौरान, प्रधानमंत्री ने TEH बाज़ार (TEH: हस्तनिर्मित की खोज) का भी दौरा किया, जिसमें पूरे भारत से एक जिला-एक उत्पाद शिल्प और उत्कृष्ट कलाकृतियाँ प्रदर्शित की गईं।

> **अमीर खुसरो**
> - वह चिश्ती शेख निजामुद्दीन औलिया के सबसे प्रिय शिष्य थे।
> - दिल्ली सुल्तान के दरबार में स्थायी रूप से शामिल होने से पहले उन्होंने राजकुमारों और रईसों की सेवा प्रारंभ की।
> - मध्यकालीन इस्लामी संस्कृति में, प्रशंसा कविता एक शासक के लिए अपनी सांस्कृतिक एवं राजनीतिक वैधता स्थापित करने और उसका प्रचार करने के प्रमुख साधनों में से एक थी।
> - ख़ुसरो ने कम से कम पाँच सुल्तानों की सेवा की - मुइज़ुद्दीन कैकाबाद, जलालुद्दीन खिलजी, अलाउद्दीन खिलजी, कुतुबुद्दीन मुबारक शाह और गयासुद्दीन तुगलक।

सूफीवाद और इसकी उत्पत्ति के बारे में

- सूफीवाद इस्लाम का एक रहस्यवादी आयाम है जिसकी औपचारिक उत्पत्ति नौवीं और दसवीं शताब्दी के बीच मध्य पूर्व में हुई थी।
  - रहस्यवाद एक धार्मिक प्रथा है जिसमें लोग ध्यान और प्रार्थना के माध्यम से सत्य, ज्ञान और ईश्वर के साथ निकटता की खोज करते हैं।
  - यह मोक्ष के लिए आंतरिक शुद्धता, प्रेम और भक्ति पर केंद्रित है।
- ऐतिहासिक रूप से, सूफीवाद मिस्र, सीरिया, इराक, तुर्की और अरब में फला-फूला।
- **भारत में उत्पत्ति:** दक्षिण भारत में अरब व्यापारिक समुदाय के माध्यम से इस्लाम के आगमन के बाद, सूफीवाद 11वीं और 12वीं शताब्दी में भारत आया।
- यह परंपरा फारसी, तुर्की, उर्दू, सिंधी, पश्तो और पंजाबी साहित्य से ली गई है।

भारत में सूफीवाद का प्रभाव

- सूफियों ने भारत में आध्यात्मिकता, कविता और संगीत में योगदान दिया।
- मोइनुद्दीन चिश्ती, निज़ामुद्दीन औलिया, अमीर खुसरो और कबीर जैसी प्रमुख हस्तियों ने हिंदू एवं सूफी प्रथाओं का विलय करके भक्ति आंदोलन को आकार दिया।
- नामदेव, तुकाराम और गुरु नानक देव जैसे संतों ने सूफी एवं हिंदू भक्ति को एकीकृत किया।

भारत में प्रमुख सूफी संप्रदाय

- **चिश्ती आदेश:** भारत के अजमेर में ख्वाजा मुईन-उद-दीन चिश्ती द्वारा प्रारंभ किया गया।
- **प्रभावशाली हस्तियाँ:** निज़ामुद्दीन औलिया, नसीरुद्दीन चिराग, शेख बुरहानुद्दीन ग़रीब, मोहम्मद बंदा नवाज़।
- **सुहरावर्दी आदेश:** संपत्ति, ज्ञान और रहस्यमय ज्ञानोदय पर बल दिया।
  - पंजाब और मुल्तान में प्रमुख; अत्यधिक तपस्या की वकालत नहीं की।
- **नक्शबंदी आदेश:** ख्वाजा बहाउद्दीन नक्शबंदी द्वारा प्रारंभ किया गया, मौन ध्यान पर केंद्रित था।
  - वे मानव-ईश्वर के रिश्ते को दास एवं स्वामी के रूप में देखते थे, शरिया कानून का पालन करते थे और सम्राट अकबर की उदार नीतियों का विरोध करते थे।

- **कादरी आदेश:** मुगल शासन के दौरान स्थापित, पंजाब में लोकप्रिय।
    - ईश्वर और सृष्टि की एकता में विश्वास (वहदत-अल-वजूद)।
    - **प्रमुख हस्तियाँ:** मुगल राजकुमारी जहाँआरा और दारा, प्रमुख कादरी शिष्य।

संगीत के माध्यम से सूफीवाद

- सूफीवाद में संगीत आध्यात्मिक जुड़ाव और परिवर्तन में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है।
    - यह परमानंद और गहरी भक्ति की स्थिति उत्पन्न करने में सहायता करता है, जिससे ईश्वर के साथ घनिष्ठ संवाद स्थापित होता है।
- **इसके मुख्य पहलुओं में शामिल हैं:**
    - **समा:** आध्यात्मिक संगीत और नृत्य जो रहस्यमय मिलन की ओर ले जाता है।
    - **चक्करदार दरवेश:** आत्मा की ईश्वर की ओर यात्रा का प्रतीक संगीत के साथ नृत्य।
    - घूमने की क्रिया फ़ना (स्वयं का विनाश) और बक़ा (ईश्वर में बने रहना) के रहस्यमय अनुभव को दर्शाती है।]
    - **कविता और गीत:** सूफ़ी कविताएँ प्रायः गाई जाती हैं, जो ईश्वर के प्रति प्रेम और भक्ति को व्यक्त करती हैं।
    - रूमी, हाफ़िज़ और बुल्ले शाह जैसे सूफ़ी कवियों ने कविताएँ लिखीं जिन्हें प्रायः सूफ़ी सभाओं के दौरान गाया या सुनाया जाता है।
    - **उपचार शक्ति:** माना जाता है कि संगीत भावनात्मक संतुलन और शांति लाता है।
    - **धिक्र:** संगीत धिक्र (ईश्वर का स्मरण) को बढ़ाता है, मन को केंद्रित करने और दिल को खोलने में सहायता करता है।

भारत में सूफीवाद का महत्व

- सूफ़ी संतों ने हिंदू और मुस्लिम दोनों समुदायों के अनुयायियों को आकर्षित किया।
    - इसने हिंदू तीर्थस्थलों एवं मुस्लिम अस्थानों के सह-अस्तित्व को आपसी सम्मान और श्रद्धा के साथ सुगम बनाया।
- स्वदेशी सूफ़ियों ने स्थानीय परंपराओं के साथ प्रथाओं को जोड़ा, जिससे धार्मिक सहिष्णुता और सम्मान को बढ़ावा मिला।
- उनकी शिक्षाएँ सत्य के साधकों को प्रेरित करती हैं और 'वसुदेव कुटुम्ब' (सार्वभौमिक परिवार) और 'सभी प्राणियों को शांति से रहने दें' के दर्शन को मूर्त रूप देती हैं।

सूफ़ीवाद से संबंधित शब्द

- **तरीक़ा:** सूफ़ी साधकों द्वारा अपनाया जाने वाला आध्यात्मिक मार्ग या आदेश।
- **पीर:** एक संत।
- **शेख (मुर्शिद):** सूफ़ीवाद में आध्यात्मिक मार्गदर्शक या शिक्षक।
- **मुरीद:** सूफ़ी संप्रदाय का शिष्य या अनुयायी।
- **खानकाह:** आध्यात्मिक अभ्यास के लिए एक सूफ़ी लॉज या आश्रय।
- **कल्ब:** हृदय, समझ का आध्यात्मिक केंद्र।
- **वाली:** ईश्वर का संत या मित्र।
- **मुराक़बा:** ईश्वर की उपस्थिति पर ध्यान या चिंतन।

Source: IE

संशोधित वक्फ विधेयक (2024) को कैबिनेट की मंजूरी

संदर्भ

- हाल ही में, भारत के प्रधान मंत्री की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने संयुक्त संसदीय समिति (JPC) द्वारा अनुशंसित प्रमुख परिवर्तनों के साथ संशोधित वक्फ विधेयक को मंजूरी दे दी है।

पृष्ठभूमि

- वक्फ अधिनियम, 1995, वक्फ संपत्तियों के प्रशासन को नियंत्रित करता है, जो मुसलमानों द्वारा धार्मिक, शैक्षिक या धर्मार्थ उद्देश्यों के लिए किए गए धर्मार्थ बंदोबस्ती हैं।
- वक्फ (संशोधन) विधेयक, 2024, इन संपत्तियों के विनियमन और प्रबंधन में चुनौतियों का समाधान करने और वक्फ बोर्डों की दक्षता बढ़ाने के लिए पेश किया गया था।

वक्फ (संशोधन) विधेयक, 2024 में प्रमुख संशोधन

- **वक्फ संपत्तियों का विनियमन:** वक्फ संपत्तियों के बेहतर प्रबंधन और विनियमन के लिए कानूनी ढाँचे को मजबूत करता है।
    - इसका उद्देश्य वक्फ भूमि पर अवैध अतिक्रमण और दुरुपयोग को रोकना है।
- **प्रशासनिक परिवर्तन:** विधेयक सर्वेक्षण आयुक्त के कार्यों को कलेक्टर या कलेक्टर द्वारा विधिवत नामित डिप्टी कलेक्टर के पद से नीचे के किसी भी अधिकारी को सौंपता है।
- **सरकारी निगरानी:** वक्फ बोर्डों की निगरानी में केंद्र और राज्य सरकारों की भूमिका को मजबूत करता है।
    - प्रशासनिक अक्षमताओं को दूर करने के लिए प्रावधान पेश कर सकता है।
- **पारदर्शिता और जवाबदेही:** बेहतर रिकॉर्ड रखने को सुनिश्चित करने के लिए वक्फ बोर्डों की भूमिका को बढ़ाता है।
    - भ्रष्टाचार और कुप्रबंधन को रोकने के लिए वक्फ संपत्तियों के लिए डिजिटल रिकॉर्ड को अनिवार्य कर सकता है।

JPC द्वारा प्रस्तावित प्रमुख परिवर्तन

- **महिलाओं और OBC सदस्यों को शामिल करना:** विधेयक में राज्य वक्फ बोर्ड (धारा 14) और केंद्रीय वक्फ परिषद (धारा 9) में दो मुस्लिम महिलाओं को सदस्य के रूप में शामिल करने का प्रावधान है, ताकि महिलाओं का सशक्तिकरण और वक्फ प्रबंधन में उनकी भागीदारी सुनिश्चित की जा सके।
    - इसके अतिरिक्त, मुस्लिम ओबीसी समुदाय से एक सदस्य को राज्य वक्फ बोर्ड में शामिल किया जाएगा।
- **विशिष्ट समुदायों के लिए अलग वक्फ बोर्ड:** राज्य सरकार अगाखानी एवं बोहरा समुदायों के लिए उनकी विशिष्ट आवश्यकताओं और चिंताओं को दूर करने के लिए अलग वक्फ बोर्ड स्थापित कर सकती है।
- **महिलाओं के उत्तराधिकार अधिकारों का संरक्षण:** पारिवारिक वक्फ (वक्फ अलल औलाद) में महिलाओं के उत्तराधिकार अधिकारों की रक्षा की जाएगी।
    - वक्फ (दाता) संपत्ति को तभी समर्पित कर सकता है, जब यह सुनिश्चित हो जाए कि महिला उत्तराधिकारियों को उनका उचित हिस्सा मिले।
- **विवाद समाधान:** विधेयक जिला कलेक्टरों को इस बात पर विवाद निपटाने के लिए अधिकृत करता है कि कोई संपत्ति वक्फ है या सरकार की है।
    - इसका उद्देश्य विवाद समाधान प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करना और देरी को कम करना है।
- **प्रौद्योगिकी का उपयोग:** विधेयक में वक्फ रिकॉर्ड के प्रबंधन में प्रौद्योगिकी के उपयोग पर बल दिया गया है।
    - पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए सभी वक्फ संपत्ति का विवरण छह महीने के अंदर एक केंद्रीय पोर्टल पर अपलोड किया जाना चाहिए।

संयुक्त संसदीय समिति (JPC)

- इसका गठन संसद द्वारा किसी विशेष उद्देश्य के लिए किया जाता है, जैसे किसी विषय या विधेयक की विस्तृत जाँच के लिए।
- इसमें दोनों सदनों और सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों के सदस्य होते हैं।
- इसका कार्यकाल समाप्त होने या इसका कार्य पूरा हो जाने के बाद इसे भंग कर दिया जाता है।

वक्फ (संशोधन) विधेयक, 2024 से संबंधित संभावित चिंताएँ

- **वक्फ संपत्तियों पर राज्य बनाम केंद्रीय प्राधिकरण:** राज्य वक्फ बोर्डों के केंद्रीकरण और कम स्वायत्तता के बारे में चिंताएँ उत्पन्न हो सकती हैं।
- **कानूनी और संवैधानिक चुनौतियाँ:** यदि संशोधन मौजूदा संपत्ति कानूनों या धार्मिक अधिकारों का खंडन करता है, तो इसे न्यायिक समीक्षा और कानूनी लड़ाई का सामना करना पड़ सकता है। वक्फ दावों से प्रभावित भूमि मालिकों के लिए उचित मुआवजे के बारे में चिंताएँ हो सकती हैं।

- **अल्पसंख्यक समुदायों की चिंताएँ:** वक्फ प्रणाली भारत में मुस्लिम बंदोबस्ती का एक अनिवार्य हिस्सा है। वक्फ संपत्तियों पर सामुदायिक नियंत्रण को कमजोर करने वाले किसी भी बदलाव से धार्मिक समूहों और राजनीतिक विमर्शों का विरोध हो सकता है।
- **पारदर्शिता और जवाबदेही:** सुधारों का उद्देश्य वक्फ बोर्डों में भ्रष्टाचार और कुप्रबंधन को रोकना हो सकता है। हालाँकि, नौकरशाही नियंत्रण में वृद्धि निर्णय लेने की प्रक्रिया को धीमा कर सकती है और प्रशासनिक अड़चनें उत्पन्न कर सकती है।

वक्फ

- इस्लाम के अनुसार, यह संपत्ति केवल धार्मिक या धर्मार्थ उद्देश्यों के लिए उपलब्ध है, और संपत्ति का कोई अन्य उपयोग या बिक्री निषिद्ध है।
- शरिया कानून के अनुसार, एक बार वक्फ की स्थापना हो जाने पर, और संपत्ति वक्फ को समर्पित कर दी जाती है, तो यह हमेशा के लिए वक्फ की संपत्ति बनी रहती है।

केंद्रीय वक्फ परिषद

- यह वक्फ अधिनियम, 1954 में दिए गए प्रावधान के अनुसार अल्पसंख्यक मामलों के मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रण में 1964 में स्थापित एक वैधानिक और परामर्शदात्री निकाय है।
    - इसे केंद्र सरकार, राज्य सरकारों और राज्य वक्फ बोर्डों को परामर्श देने का अधिकार दिया गया है।
- इसमें अध्यक्ष होता है, जो वक्फ का प्रभारी केंद्रीय मंत्री होता है और ऐसे अन्य सदस्य, जिनकी संख्या 20 से अधिक नहीं होती, भारत सरकार द्वारा नियुक्त किए जा सकते हैं।
- वक्फ (संशोधन) अधिनियम, 2013 के प्रावधानों के अंतर्गत इसकी भूमिका का विस्तार किया गया।
- वक्फ अधिनियम 1995 (जैसा कि 2013 में संशोधित किया गया) की धारा 40 के अनुसार राज्य वक्फ बोर्ड को यह निर्णय लेने का अधिकार है कि कोई विशेष संपत्ति वक्फ संपत्ति है या नहीं या कोई वक्फ सुन्नी वक्फ है या शिया वक्फ।

Source: IE

भारत को निवेश बढ़ाने के लिए टैरिफ कटौती और सुधारों की आवश्यकता: विश्व बैंक

संदर्भ

- विश्व बैंक की रिपोर्ट (भारत देश आर्थिक ज्ञापन) के अनुसार, भारत को 2047 तक उच्च आय वाली अर्थव्यवस्था बनने के लिए 7.8% की औसत वार्षिक विकास दर प्राप्त करने के लिए सुधारों में तेजी लाने की आवश्यकता होगी।

परिचय

- वास्तविक अर्थों में 2000 से अर्थव्यवस्था लगभग चार गुना बढ़ी है और प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद लगभग तीन गुना हो गया है।
- भारत विश्व के बाकी हिस्सों की तुलना में तेजी से बढ़ा है, वैश्विक अर्थव्यवस्था में इसकी हिस्सेदारी 2000 में 1.6% से बढ़कर 2023 में 3.4% हो गई है।
- भारत विश्व की पाँचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है।

भारत देश आर्थिक ज्ञापन के मुख्य बिंदु:

- **2047 तक उच्च आय की स्थिति का लक्ष्य:** महत्वाकांक्षी सुधारों के साथ प्राप्त किया जा सकता है, जो भारत की विगत वृद्धि (2000-2024 तक 6.3%) पर आधारित है।
- **वैश्विक उदाहरण:** चिली, दक्षिण कोरिया और पोलैंड जैसे देश वैश्विक अर्थव्यवस्था में गहराई से एकीकृत होकर उच्च आय में संक्रमण करने में सफल रहे।
- **2047 के लिए मुख्य विकास परिदृश्य:**
    - राज्यों में तेज़, समावेशी विकास प्राप्त करना।
    - 2035 तक कुल निवेश को 33.5% से बढ़ाकर सकल घरेलू उत्पाद का 40% करना।
    - श्रम बल भागीदारी को 56.4% से बढ़ाकर 65% से ऊपर करना।
    - वियतनाम (73%) और फिलीपींस (60%) जैसे देशों की तुलना में भारत में कुल श्रम बल भागीदारी दर कम रही है।

- उत्पादकता वृद्धि में तेज़ी लाना।
- भारत की प्रति व्यक्ति GNI (सकल राष्ट्रीय आय) में लगभग 8 गुना वृद्धि होनी चाहिए, जिसके लिए त्वरित विकास की आवश्यकता है।
- **जनसांख्यिकीय लाभांश:** मानव पूँजी में निवेश करना, बेहतर रोजगार के अवसर उत्पन्न करना और 2047 तक महिला श्रम बल भागीदारी को 35.6% से बढ़ाकर 50% करना।

- **नीतिगत कार्रवाई के लिए महत्त्वपूर्ण क्षेत्र:**
  - **निवेश बढ़ाएँ:** वित्तीय क्षेत्र के विनियमन को मजबूत करना, MSME ऋण तक पहुँच को आसान बनाएँ और FDI नीतियों को सरल बनाना।
  - **अधिक रोजगार सृजन:** रोजगार-समृद्ध क्षेत्रों (जैसे, कृषि-प्रसंस्करण, आतिथ्य) को लक्षित करना, कौशल में निवेश करना और नवाचार-संचालित अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देना।
  - **संरचनात्मक परिवर्तन को बढ़ावा देना:** श्रम और संसाधनों को विनिर्माण और सेवाओं जैसे उच्च उत्पादकता वाले क्षेत्रों में स्थानांतरित करना, बुनियादी ढाँचे में सुधार करना तथा श्रम बाजार विनियमन को सुव्यवस्थित करना।
  - **तेज़ राज्य विकास को सक्षम करना:** कम विकसित राज्यों (बुनियादी बातों पर ध्यान देना) और अधिक विकसित राज्यों (उन्नत सुधारों और जीवीसी भागीदारी पर ध्यान देना) के लिए नीतियाँ तैयार करना।
  - **संघीय समर्थन:** सार्वजनिक व्यय, दक्षता में सुधार और विकास में तेजी लाने के लिए शहरी चुनौती निधि जैसे संघीय कार्यक्रमों के साथ कम आय वाले राज्यों को प्रोत्साहित करना।

विश्व बैंक द्वारा देशों का वर्गीकरण

- विश्व बैंक 30,000 से अधिक जनसंख्या वाले सभी देशों के लिए आय के आधार पर देशों का वार्षिक वर्गीकरण बनाता है।
  - यह वर्गीकरण पूरे वित्तीय वर्ष (1 जुलाई से 30 जून तक) में एक समान रहता है, भले ही किसी देश के आय डेटा में बदलाव हो।
- कम आय वाले देश वे हैं जिनकी प्रति व्यक्ति सकल राष्ट्रीय आय (GNI) 2023 में $1,145 या उससे कम है।
- निम्न-मध्यम आय वाले देश वे हैं जिनकी प्रति व्यक्ति GNI 2023 में $1,146 और $4,515 के बीच है।
- उच्च-मध्यम आय वाले देश वे हैं जिनकी प्रति व्यक्ति GNI 2023 में $4,516 और $14,005 के बीच है।
- उच्च आय वाले देश वे हैं जिनकी प्रति व्यक्ति GNI 2023 में $14,005 से अधिक है।

Source: IE

सरकार की प्रमुख योजना के अंतर्गत 10,000 FPOs स्थापित किए गए

संदर्भ

- केंद्र सरकार ने एक प्रमुख केंद्रीय योजना के तहत 10,000 किसान उत्पादक संगठन (FPOs) स्थापित करने का लक्ष्य प्राप्त कर लिया है।
  - PM मोदी ने बिहार के भागलपुर में मक्का, केला और धान पर ध्यान केंद्रित करते हुए 10,000वाँ FPOs लॉन्च किया।

परिचय

- 10,000 किसान उत्पादक संगठनों (FPOs) के गठन और संवर्धन के लिए केंद्रीय क्षेत्र की योजना 2020 में प्रारंभ की गई थी।
- इस योजना को 2027-28 तक ₹6,865 करोड़ के बजट परिव्यय के साथ प्रारंभ किया गया था।
- देश में लगभग 30 लाख किसान FPOs से जुड़े हैं, जिनमें से लगभग 40 प्रतिशत महिलाएँ हैं।
- इस योजना के उद्देश्य इस प्रकार हैं;
  - नए FPOs को इसके निर्माण के वर्ष से पाँच वर्ष तक सहायता और समर्थन प्रदान करना।
  - कृषि उद्यमिता कौशल विकसित करने के लिए FPOs को प्रभावी क्षमता निर्माण प्रदान करना।

FPOs क्या हैं?

- किसान उत्पादक संगठन (FPOs) किसानों का एक समूह है जो कृषि उत्पादों का विपणन और उत्पादन करने के लिए मिलकर कार्य करते हैं।

- FPOs कंपनी अधिनियम के भाग IXA या संबंधित राज्यों के सहकारी समिति अधिनियम के तहत कानूनी रूप से पंजीकृत संस्थाएँ हैं।
- कृषि मंत्रालय के तहत लघु कृषक कृषि व्यवसाय संघ (एसएफएसी) देश भर में FPOs के गठन को सुविधाजनक बनाने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

FPOs की आवश्यकता

- भारतीय कृषि में छोटे, सीमांत और भूमिहीन किसानों का वर्चस्व है, जिन्हें कई चुनौतियों का सामना करना पड़ता है जैसे:
  - प्रौद्योगिकी, गुणवत्ता वाले बीज, उर्वरक और कीटनाशकों तक सीमित पहुँच।
  - आधुनिक कृषि तकनीकों और मशीनीकरण को सीमित करने वाली वित्तीय बाधाएँ।
  - कमज़ोर बातचीत क्षमता के कारण अपनी उपज को प्रभावी तरीके से बाज़ार में बेचने में असमर्थता।
  - उचित भंडारण, परिवहन और रसद सहायता का अभाव।
- एफ़पीओ छोटे किसानों को एकत्रित करके, उनकी सौदेबाज़ी की शक्ति को बढ़ाकर और उन्हें बेहतर इनपुट, वित्तीय सहायता और बाज़ार संपर्कों तक पहुँचने में सक्षम बनाकर इन मुद्दों को हल करने में सहायता करते हैं।

FPOs द्वारा प्रदान की जाने वाली सेवाएँ

- बीज, उर्वरक, कीटनाशक और ऐसे अन्य इनपुट जैसे गुणवत्तापूर्ण उत्पादन इनपुट उचित रूप से कम थोक दरों पर उपलब्ध कराना।
- प्रति 2 इकाई उत्पादन लागत को कम करने के लिए सदस्यों को कस्टम हायरिंग के आधार पर कल्टीवेटर, टिलर, स्प्रिंकलर सेट, कंबाइन हार्वेस्टर और ऐसे अन्य मशीनरी एवं उपकरण उपलब्ध कराना।
- उपयोगकर्ता शुल्क के आधार पर उचित रूप से सस्ती दर पर सफाई, परख, छंटाई, ग्रेडिंग, पैकिंग और खेत स्तर पर प्रसंस्करण सुविधाओं जैसे मूल्य संवर्धन उपलब्ध कराना।
- साझा लागत के आधार पर भंडारण, परिवहन, लोडिंग/अनलोडिंग आदि जैसी रसद सेवाओं की सुविधा प्रदान करना।
- खरीदारों और विपणन चैनलों में बेहतर और लाभकारी मूल्य प्रदान करते हुए बेहतर संवाद की ताकत के साथ एकत्रित उपज का विपणन करना।

FPOs के लिए चुनौतियाँ

- जटिल विनियामक और अनुपालन प्रक्रियाएँ।
- भंडारण, प्रसंस्करण और परिवहन के लिए कमज़ोर बुनियादी ढाँचा।
- किसानों की कम भागीदारी और आंतरिक शासन संबंधी समस्याएँ।
- डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म और तकनीक को सीमित रूप से अपनाना।
- जलवायु जोखिमों और बाज़ार में उतार-चढ़ाव के प्रति संवेदनशीलता।

आगे की राह

- केंद्रीय क्षेत्र योजना के तहत 10,000 किसान उत्पादक संगठनों (FPOs) का सफल गठन कृषि क्षेत्र के लिए एक परिवर्तनकारी माइलस्टोन है।
- सामूहिकता को बढ़ावा देने, बाजार पहुँच बढ़ाने और वित्तीय और संस्थागत सहायता प्रदान करके, इस पहल ने महिलाओं एवं आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों सहित लाखों छोटे तथा सीमांत किसानों को सशक्त बनाया है।

Source: PIB

आदित्य-L1 ने अभूतपूर्व सौर ज्वाला का विवरण कैद किया

समाचार में

- आदित्य-एल1 ने निचले सौर वायुमंडल (फोटोस्फीयर और क्रोमोस्फीयर) में सौर ज्वाला 'कर्नेल' की प्रथम छवि कैप्चर करके एक महत्त्वपूर्ण खोज की है।

आदित्य-L1

- इसे सितंबर 2023 में इसरो के PSLV C-57 रॉकेट द्वारा लॉन्च किया गया था।

- जनवरी 2024 में इसे पृथ्वी-सूर्य लैग्रेंज पॉइंट (L1) के चारों ओर एक हेलो ऑर्बिट में स्थापित किया गया था।
- यह भारत का प्रथम समर्पित अंतरिक्ष-आधारित सौर मिशन है।
- यह पृथ्वी से लगभग 1.5 मिलियन किमी दूर, सूर्य की ओर निर्देशित रहता है, जो पृथ्वी-सूर्य की दूरी का लगभग 1% है।
- यह सूर्य के बाहरी वायुमंडल का अध्ययन करेगा।
    - यह न तो सूर्य पर उतरेगा और न ही सूर्य के और करीब जाएगा।

क्या आप जानते हैं?

- संस्कृत में "आदित्य" का अर्थ सूर्य होता है, और "L1" सूर्य-पृथ्वी प्रणाली में लैग्रेंज बिंदु 1 को संदर्भित करता है।
- L1 अंतरिक्ष में एक ऐसा स्थान है जहाँ सूर्य और पृथ्वी के गुरुत्वाकर्षण बल संतुलन में होते हैं, जिससे वहाँ रखी वस्तुएँ दोनों खगोलीय पिंडों के सापेक्ष स्थिर रहती हैं।
- L1 बिंदु अंतरिक्ष यान को बिना किसी ग्रहण या ग्रहण के लगातार सौर गतिविधियों का निरीक्षण करने की अनुमति देता है।

वैज्ञानिक पेलोड

- **सोलर अल्ट्रावॉयलेट इमेजिंग टेलीस्कोप (SUIT):** यह 11 अलग-अलग NUV बैंड में हाई-रिज़ॉल्यूशन इमेज कैप्चर करता है, जिससे कई सौर परतों का अध्ययन संभव हो पाता है।
- सोलर लो एनर्जी एक्स-रे स्पेक्ट्रोमीटर (SoLEXS) और हाई एनर्जी L1 ऑर्बिटिंग एक्स-रे स्पेक्ट्रोमीटर (HEL1OS) फ्लेयर एक्टिविटी का पता लगाने के लिए सोलर एक्स-रे उत्सर्जन की निगरानी करते हैं।

महत्त्व

- एक महत्त्वपूर्ण रहस्योद्घाटन निचले वायुमंडल में स्थानीयकृत चमक और सौर कोरोना में प्लाज्मा तापमान में वृद्धि के बीच संबंध है, जो सौर ज्वाला भौतिकी के बारे में लंबे समय से चले आ रहे सिद्धांतों को मान्य करता है।

एक सौर ज्वाला(A solar flare)

- यह सूर्य के वायुमंडल से ऊर्जा का अचानक, तीव्र विस्फोट है, जो सूर्य के चुंबकीय क्षेत्र की गतिशील प्रकृति के कारण होता है।
- जब चुंबकीय क्षेत्र टूटता है, तो यह प्रकाश, विकिरण और उच्च ऊर्जा वाले आवेशित कणों के रूप में ऊर्जा का एक शक्तिशाली विस्फोट जारी करता है।

Source :TH

संक्षिप्त समाचार

करनाल का युद्ध

संदर्भ

- 24 फरवरी, 1739 को करनाल की लड़ाई भारतीय इतिहास में एक महत्त्वपूर्ण क्षण थी, जिसने मुगल साम्राज्य के अंत की शुरुआत का संकेत दिया।

क्या आप जानते हैं?

- नादिर शाह ईरान के अफशरीद राजवंश का संस्थापक था।
- नादिर शाह एक सैन्य प्रतिभा था, जिसने भारत पर अपना ध्यान केंद्रित करने से पहले ही कई शक्तियों को पराजित कर दिया था।
- कंधार पर विजय प्राप्त करने के बाद, उसने खैबर दर्रे को पार किया और तेजी से मुगल जागीरदार राज्यों पर नियंत्रण कर लिया, तथा दिल्ली की ओर बढ़ गया।

करनाल का युद्ध

- नादिर शाह की सेना ने मुगल सम्राट मुहम्मद शाह 'रंगीला' को (3 घंटे के अंदर) हरा दिया।
- मुगल सेना, जिसमें 300,000 सैनिक थे, नादिर शाह की 55,000 सैनिकों की छोटी लेकिन अधिक अनुशासित सेना से पराजित हो गई।
- नादिर शाह की आधुनिक रणनीति और हथियारों, जिसमें घुड़सवार बंदूकधारी भी शामिल थे, ने मुगल घुड़सवार सेना को निर्णायक रूप से हरा दिया।

- नादिर शाह ने दिल्ली पर नियंत्रण कर लिया और लूटपाट की, मयूर सिंहासन और कोहिनूर हीरा अपने नियंत्रण में ले लिया।

मुगल साम्राज्य पर प्रभाव

- नादिर शाह ने मुहम्मद शाह की जान बख्श दी और उसके अधिकांश क्षेत्र को वापस कर दिया।
- इसके बावजूद, मुगल साम्राज्य गंभीर रूप से कमजोर हो गया और अगली शताब्दी में इसकी शक्ति कम हो गई।
- नादिर शाह ने दिल्ली को लगभग खाली खजाने के साथ छोड़ दिया, जिससे मुगलों का अपने साम्राज्य पर नियंत्रण कमजोर हो गया।
- अगली शताब्दी में, मुगल साम्राज्य ने और अधिक क्षेत्र और शक्ति खो दी, जिसके परिणामस्वरूप अंततः 1857 तक ब्रिटिश शासन स्थापित हो गया।

मुगल पतन के कारण

- संरचनात्मक मुद्दे, जैसे किसानों पर अत्यधिक कर (जिसके कारण विद्रोह हुए) और कुलीन वर्ग के अन्दर भ्रष्टाचार ने पतन में योगदान दिया।
- औरंगज़ेब की दमनकारी धार्मिक नीतियों ने भी हिंदुओं और अन्य धार्मिक अल्पसंख्यकों को अलग-थलग कर दिया।

Source: IE

हिमस्खलन

संदर्भ

- उत्तराखंड के चमोली में माना में सीमा सड़क संगठन (BRO) परियोजना हिमस्खलन की चपेट में आ गई है।

हिमस्खलन

- **परिभाषा:** पहाड़ की ढलान से हिम, चट्टान, हिम और अन्य सामग्रियों का तेजी से नीचे गिरना। हिमस्खलन, सबसे सामान्य प्रकार है, जो 320 किमी/घंटा (200 मील प्रति घंटे) से भी अधिक गति से यात्रा कर सकता है।
- **कारण:** हिमस्खलन तब होता है जब अस्थिर हिम का ढेर टूट जाता है, प्रायः परतों के बीच कमजोर बंधनों के कारण, जैसे कि बर्फ़, ताजा हिम या वसंत में पिघली बर्फ।
    - अतिरिक्त वजन या कंपन स्लाइड को ट्रिगर कर सकता है।
- **हिमस्खलन के प्रकार:**
    - **स्लफ:** सूखी, पाउडर जैसी हिम के छोटे, कम खतरनाक हिमस्खलन।
    - **स्लैब:** अधिक खतरनाक, बड़े हिम के ढेर जहाँ कमजोर परत गहराई में दबी होती है।
- **हिमस्खलन को प्रभावित करने वाले कारक:** तूफान, तापमान, पवन, ढाल की प्रवणता, भूभाग और हिम की स्थिति सभी हिमस्खलन की संभावना और प्रकार को प्रभावित करते हैं। अधिकांश हिमस्खलन लोगों या बाहरी ताकतों, जैसे भूकंप से कंपन के कारण होते हैं।

हिमस्खलन और भूस्खलन के बीच अंतर

आयाम	हिमस्खलन	भूस्खलन
परिभाषा	ढाल से नीचे बर्फ़, हिम और मलबे का तेजी से प्रवाह।	पहाड़ी से नीचे खिसकता हुआ चट्टान, मृदा या मलबे का ढेर।
गति	320 किमी/घंटा (200 मील प्रति घंटा) तक की गति तक पहुँच सकता है।	भिन्न-भिन्न, सामान्यतः हिमस्खलन से धीमी।
कारण	कमज़ोर हिम की परतें, मौसम या मानवीय गतिविधियाँ।	भारी वर्षा, भूकंप या मानवीय गतिविधि।
अवस्थिति	हिमावरण पहाड़ या ढाल।	विभिन्न भूभागों (जंगल, शहरी क्षेत्र, पहाड़ियाँ) में खड़ी ढलानें।

Source: IE

गिलोय

समाचार में

- पिछले दशक में गिलोय (टीनोस्पोरा कॉर्डीफोलिया) पर अनुसंधान में 376.5% की प्रभावशाली वृद्धि देखी गई है, जो कोविड के पश्चात् बढ़ी रुचि का परिणाम है, क्योंकि विशेषज्ञ इसके प्रतिरक्षा-बढ़ाने वाले, एंटीवायरल और एडाप्टोजेनिक गुणों का पता लगा रहे हैं।

गिलोय

- गिलोय (टिनोस्पोरा कॉर्डिफ़ोलिया), भारत का एक मूल उष्णकटिबंधीय पौधा है, जो आयुर्वेद में अपने औषधीय गुणों के लिए जाना जाता है।
- इसमें एल्कलॉइड, स्टेरॉयड और ग्लाइकोसाइड जैसे बायोएक्टिव यौगिक होते हैं, जो इसकी जड़, तने और पूरे पौधे में पाए जाते हैं।
- गिलोय की खेती भारत के मैदानी इलाकों, तलहटी और अर्ध-शुष्क क्षेत्रों में की जाती है, विशेषकर बिहार, पश्चिम बंगाल, उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों में।

लाभ

- इसे संस्कृत में अमृता कहा जाता है, जिसका अर्थ है 'अमरता की जड़ी बूटी', इसके विभिन्न स्वास्थ्य लाभों के कारण।
- यह अपने विभिन्न स्वास्थ्य लाभों के लिए जाना जाता है, जिसमें मधुमेह विरोधी, सूजन-रोधी, एंटी-ऑक्सीडेंट, तनाव-रोधी, हेपेटोप्रोटेक्टिव और इम्यूनोमॉडुलेटरी प्रभाव शामिल हैं।

Source: PIB

गोल्ड कार्ड अमेरिकी वीज़ा

संदर्भ

- संयुक्त राज्य अमेरिका ने देश में स्थायी निवास और अंततः अमेरिकी नागरिकता चाहने वाले विदेशी निवेशकों के लिए "गोल्ड कार्ड" नामक वीज़ा कार्यक्रम की घोषणा की है।

परिचय

- यह कार्यक्रम EB-5 वीजा की जगह लेगा, जो वर्तमान में विदेशी नागरिकों को सशर्त निवास के लिए रोजगार सृजन करने वाले उपक्रमों में $800,000 से $1.05 मिलियन के बीच निवेश करने की अनुमति देता है।
  - EB-5 अस्थायी वीजा की एक श्रेणी है जिसका उपयोग धारक ग्रीन कार्ड और अंततः अमेरिकी नागरिकता के लिए कर सकते हैं।
- गोल्ड कार्ड वीजा में दांव बढ़ जाता है, जिसके लिए $5 मिलियन के निवेश की आवश्यकता होती है।
  - यह योजना उच्च-निवल-मूल्य वाले व्यक्तियों को अमेरिका लाएगी, जिनके निवेश से अमेरिकी अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिलेगा।
- विश्व भर में लगभग 12 देश निवेश के बदले नागरिकता प्रदान करते हैं, जिनमें माल्टा, मिस्र और कंबोडिया शामिल हैं।

Source: IE

तियांगोंग अंतरिक्ष स्टेशन

संदर्भ

- चीन एवं पाकिस्तान ने चीन के तियांगोंग अंतरिक्ष स्टेशन के लिए पाकिस्तानी अंतरिक्ष यात्रियों के चयन और प्रशिक्षण हेतु एक सहयोग समझौते पर हस्ताक्षर किए।

परिचय

- चीन के साथ ऐतिहासिक रूप से घनिष्ठ संबंध रखने वाले देश के रूप में, पाकिस्तान ने हाल के वर्षों में चीनी पहलों में भाग लेकर अपनी अंतरिक्ष क्षमताओं को बेहतर बनाने की कोशिश की है।
  - तियांगोंग अंतरिक्ष स्टेशन:
  - **पूर्ण होने की तिथि:** 2022
  - यह 450 किमी (280 मील) की कक्षीय ऊँचाई पर महीनों तक अधिकतम तीन अंतरिक्ष यात्रियों को रख सकता है।
  - इसका परिचालन जीवनकाल कम से कम 15 वर्ष है।

अंतरिक्ष स्टेशन

- अंतरिक्ष स्टेशन एक बड़ा, रहने योग्य अंतरिक्ष यान है जो पृथ्वी की परिक्रमा करता है।
- यह वैज्ञानिक प्रयोगों के लिए अंतरिक्ष में एक शोध प्रयोगशाला के रूप में कार्य करता है।
- सबसे प्रसिद्ध अंतरिक्ष स्टेशन अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (ISS) है। यह सूक्ष्म गुरुत्वाकर्षण स्थितियों में अनुसंधान को सक्षम बनाता है, जीव विज्ञान, भौतिकी और पदार्थ विज्ञान में अध्ययन में सहायता करता है।
- अंतरिक्ष स्टेशन सामान्यतः मॉड्यूलर होते हैं और समय के साथ इनका विस्तार या उन्नयन किया जा सकता है।

Source: ET

अमेज़न ने 'ओसेलॉट' क्वांटम कंप्यूटिंग प्रोटोटाइप चिप का अनावरण किया

संदर्भ

- अमेज़न वेब सर्विसेज (AWS) ने अपनी प्रथम प्रोटोटाइप क्वांटम कंप्यूटिंग चिप 'ओसेलॉट' का अनावरण किया है, जिसके बारे में दावा किया गया है कि इससे त्रुटि सुधार लागत 90 प्रतिशत तक कम हो जाएगी।

NEXT IAS

ओसेलॉट चिप

- ओसेलॉट चिप में दो-परत एकीकृत सिलिकॉन डिज़ाइन है, जिसमें प्रत्येक माइक्रोचिप लगभग एक वर्ग सेंटीमीटर जगह घेरती है। मुख्य घटकों में शामिल हैं:
  - **पाँच डेटा क्यूबिट (कैट क्यूबिट):** ये गणना के लिए आवश्यक क्वांटम अवस्थाओं को संगृहित करते हैं।
  - **पाँच बफर सर्किट:** डेटा क्यूबिट को स्थिर करने के लिए डिज़ाइन किए गए हैं।
  - **चार अतिरिक्त क्यूबिट:** डेटा क्यूबिट में त्रुटियों का पता लगाने के लिए जिम्मेदार हैं।
  - **टैंटलम से बने ऑसिलेटर:** यह सुपरकंडक्टिंग सामग्री प्रदर्शन और स्थिरता को बढ़ाती है।

क्वांटम त्रुटि सुधार क्या है?

- पारंपरिक कंप्यूटर बिट्स (0 और 1) पर कार्य करते हैं, जबकि क्वांटम कंप्यूटर क्यूबिट का उपयोग करते हैं, जो क्वांटम सुपरपोजिशन के कारण एक साथ कई अवस्थाओं में उपस्थित हो सकते हैं।
- हालाँकि, क्यूबिट गर्मी, कंपन और विद्युत चुम्बकीय हस्तक्षेप जैसे बाहरी कारकों के प्रति अत्यधिक संवेदनशील होते हैं, जिससे उनमें त्रुटियाँ होने की संभावना होती है।
- श्रेडिंगर के कैट संबंधी विचार प्रयोग से प्रेरित अमेज़न के कैट क्यूबिट इन त्रुटियों को आंतरिक रूप से कम करने में सहायता करते हैं, जिससे त्रुटि सुधार के लिए आवश्यक कम्प्यूटेशनल संसाधनों में अत्यधिक कमी आती है।

Source: HT

घड़ियाल (गेवियलिस गैंगेटिकस)

संदर्भ

- मध्य प्रदेश सरकार ने मुरैना स्थित राष्ट्रीय चंबल घड़ियाल अभयारण्य में 10 घड़ियाल चंबल नदी में छोड़े।

घड़ियाल के बारे में

- **विशेषताएँ:**
  - "घड़ियाल" नाम हिंदी शब्द घड़ा (बर्तन) से आया है, जो एक वयस्क नर के थूथन की नोक पर मौजूद बल्बनुमा घुंडी (नारियल का उभार) को संदर्भित करता है। हालाँकि, यह विशेषता मादाओं में नहीं होती।
  - वे यौन द्विरूपता दिखाते हैं, जिसका अर्थ है कि नर और मादा आकार और रूप में काफी भिन्न होते हैं।
  - मगरमच्छों के विपरीत, घड़ियाल केवल गर्म रक्त वाली प्रजातियों पर भोजन करते हैं और नरभक्षी नहीं होते हैं।
- **निवास वितरण:**
  - घड़ियाल पूरी तरह से नदी की प्रजातियाँ हैं, जिन्हें गहरे, साफ, तीव्रता से बहने वाले जल और खड़ी, रेतीली नदी के किनारों की आवश्यकता होती है।
  - मुख्य रूप से चंबल नदी, गिरवा नदी, केन नदी, यमुना नदी, ब्रह्मपुत्र नदी, घाघरा नदी, भागीरथी-हुगली नदी में पाए जाते हैं।

- **संरक्षण स्थिति:**
  - **IUCN स्थिति:** गंभीर रूप से संकटग्रस्त
  - यह वन्य जीवन (संरक्षण) अधिनियम, 1972 की अनुसूची 1 के अंतर्गत सूचीबद्ध है।

संरक्षण की स्थिति

- **प्रोजेक्ट क्रोकोडाइल (1975):** संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (UNDP) और खाद्य एवं कृषि संगठन (FAO) की पहल एवं बंदी प्रजनन पर ध्यान केंद्रित किया गया।
- **भारत में घड़ियाल रिजर्व:** उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, राजस्थान में।
  - उल्लेखनीय संरक्षित क्षेत्र चंबल अभयारण्य, कतर्नियाघाट वन्यजीव अभयारण्य हैं।

चम्बल नदी

- **स्रोत:** चंबल मध्य प्रदेश के विंध्य पर्वतमाला में जनापाव पहाड़ियों से निकलती है।
- **प्रवाह:** यह मध्य प्रदेश, राजस्थान से होकर बहती है और उत्तर प्रदेश में प्रवेश करती है, जहाँ यह यमुना नदी में मिल जाती है।
- **सहायक नदियाँ:** बनास, पार्वती, काली सिंध, शिप्रा
- **बांध:** गांधी सागर बांध, राणा प्रताप सागर बांध, जवाहर सागर बांध।
- **भूवैज्ञानिक महत्व:** चंबल मालवा पठार से होकर प्रवाहित होती है और विंध्य एवं अरावली पहाड़ियों में गहरी घाटियाँ बनाती है।
  - इसका बेसिन मिट्टी के कटाव के कारण खड्डों के निर्माण के लिए प्रवण है, विशेषकर मध्य प्रदेश और राजस्थान में।
- केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान को चंबल नदी सिंचाई परियोजना से जल की आपूर्ति की जाती है।

Source: IE

'दियासलाई

समाचार में

- इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र (IGNCA) ने सत्यार्थी मूवमेंट फॉर ग्लोबल कम्पैशन के सहयोग से दियासलाई पर एक चर्चा आयोजित की।

दियासलाई

- यह नोबेल शांति पुरस्कार विजेता कैलाश सत्यार्थी की आत्मकथा है।
- इसमें कैलाश सत्यार्थी की विदिशा के एक साधारण परिवार से लेकर बाल अधिकारों के लिए आजीवन संघर्ष करने और नोबेल शांति पुरस्कार प्राप्त करने तक की यात्रा का वर्णन है।

कैलाश सत्यार्थी

- कैलाश सत्यार्थी का जन्म (1954 में) मध्य प्रदेश के विदिशा में हुआ।
- वे सामाजिक परिवर्तन के लिए वैश्विक पैरोकार रहे हैं, उन्होंने 140 देशों में बाल दासता और शोषण से निपटने के प्रयासों का नेतृत्व किया है।
- विगत् 44 वर्षों में, उन्होंने और उनके संगठन ने 138,000 से अधिक बच्चों को बाल श्रम, दासता और तस्करी से बचाया है, उन्हें शिक्षा और बेहतर भविष्य के अवसर प्रदान किए हैं।
- कैलाश सत्यार्थी ने इस बात पर जोर दिया कि वैश्विक मुद्दों को हल करने के लिए करुणा महत्त्वपूर्ण है।

प्रमुख योगदान

- 2001 में, सत्यार्थी ने शिक्षा यात्रा प्रारंभ की, जो भारत में मौलिक अधिकार के रूप में मुफ्त और अनिवार्य शिक्षा की मांग करते हुए एक राष्ट्रव्यापी मार्च था।
  - उनके प्रयासों ने 2002 में भारत के संविधान में संशोधन और 2009 में शिक्षा का अधिकार अधिनियम पारित करने में योगदान दिया।
- 2014 में, उन्हें बाल उत्पीड़न से लड़ने और सभी बच्चों के लिए शिक्षा के अधिकार को बढ़ावा देने के उनके प्रयासों के लिए मलाला यूसुफजई के साथ नोबेल शांति पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।
- 2017 में, उन्होंने बाल यौन शोषण के विरुद्ध विश्व के सबसे बड़े आंदोलन भारत यात्रा का आयोजन किया, जिसने 22 राज्यों में 12,000 किलोमीटर की दूरी तय की।
  - इस अभियान के परिणामस्वरूप बाल बलात्कार और तस्करी के विरुद्ध मजबूत कानून बने, जिसमें भारत के आपराधिक कानून में संशोधन भी सम्मिलित है, जिसमें कठोर दंड का प्रावधान है।

Source :PIB

■■■■